NFHS-6 (2023-24): मातृ-शिशु स्वास्थ्य और पोषण के संकेतक

स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक क्षेत्र | समाचार संदर्भ: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (NFHS-6) के फ़ैक्ट शीट, जारी 29 मई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

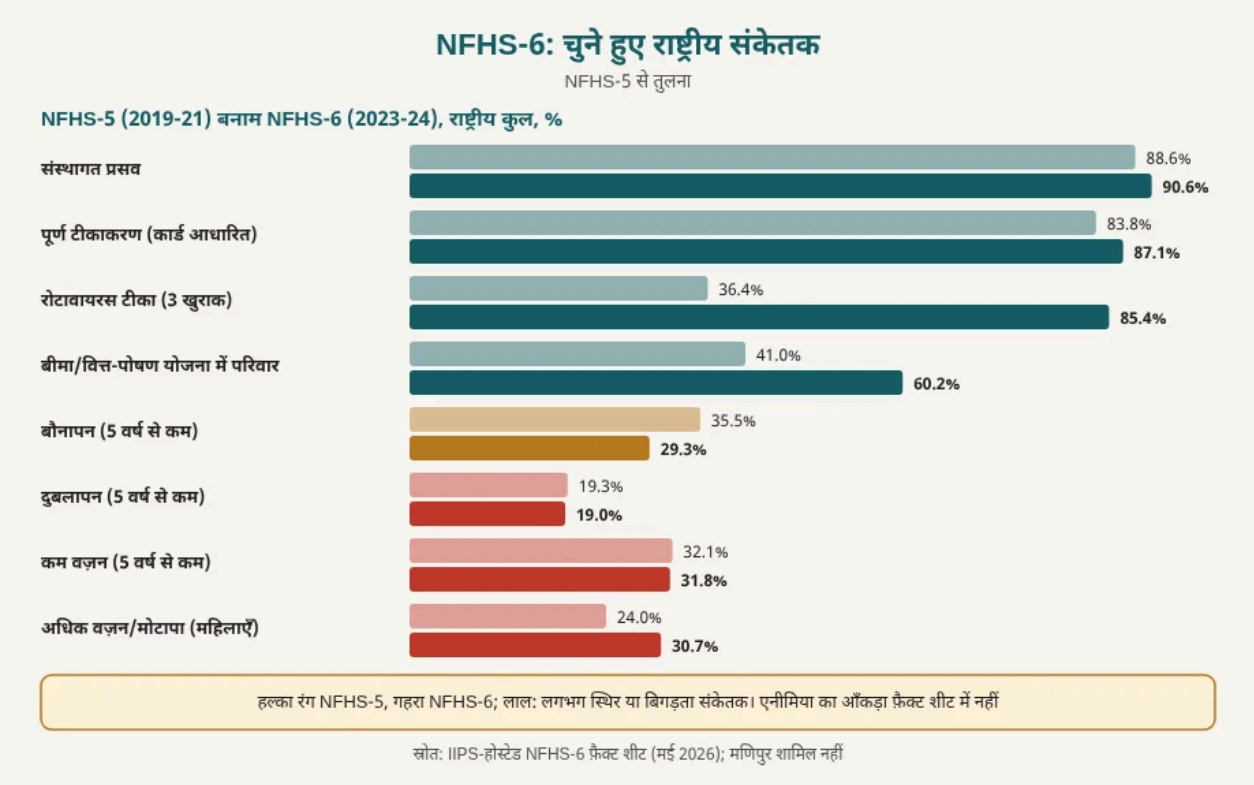
राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) घर-घर जाकर किया जाने वाला बड़ा सर्वेक्षण है, जो प्रजनन, परिवार नियोजन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तीकरण के आँकड़े देता है। इसका संचालन स्वास्थ्य मंत्रालय इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फ़ॉर पॉपुलेशन साइंसेज़ (IIPS), मुंबई के साथ करता है। इसके आँकड़े राज्यों की नीति, SDG की निगरानी और योजनाओं के मूल्यांकन में काम आते हैं, इसलिए हर नए दौर की तुलना पिछले दौर (NFHS-5, 2019-21) से की जाती है।

खबरों में क्यों

PIB के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने 29 मई 2026 को NFHS-6 जारी किया। सर्वेक्षण 2023-24 में IIPS के साथ हुआ और लगभग 6.79 लाख परिवारों को 715 ज़िलों में शामिल किया गया। IIPS-होस्टेड फ़ैक्ट शीट के अनुसार सर्वेक्षण में मणिपुर को छोड़कर सभी राज्य और केंद्र-शासित प्रदेश हैं।

मुख्य अवधारणा: प्रतिशत-अंक और सापेक्ष प्रतिशत का फ़र्क़

PIB की सुर्ख़ी में “बौनेपन में 17% और गंभीर दुबलेपन में 32% की कमी” लिखा है। फ़ैक्ट शीट के आँकड़ों से हमारी गणना: बौनापन 35.5% से 29.3% हुआ, यानी 6.2 प्रतिशत-अंक या लगभग 17.5% की सापेक्ष कमी; गंभीर दुबलापन 7.7% से 5.2% हुआ, यानी 2.5 प्रतिशत-अंक या लगभग 32.5% की सापेक्ष कमी। यानी PIB के प्रतिशत सापेक्ष कमी के हैं, प्रतिशत-अंक के नहीं। उत्तर में दोनों का फ़र्क़ लिखें।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

सर्वेक्षण	**NFHS-6, 2023-24; स्वास्थ्य मंत्रालय और IIPS; लगभग 6.79 लाख परिवार, 715 ज़िले (PIB, 29 मई 2026); मणिपुर शामिल नहीं (फ़ैक्ट शीट की भूमिका)।**
मातृ स्वास्थ्य (NFHS-5 से NFHS-6)	संस्थागत प्रसव 88.6% से 90.6%; किसी भी प्रसवपूर्व जाँच 92.6% से 95.9%; पहली तिमाही में जाँच 70.0% से 76.2%; कम से कम चार जाँच 58.5% से 65.2%; आयरन-फ़ोलिक एसिड 100 दिन या अधिक 44.1% से 54.9% (फ़ैक्ट शीट में भी यही)।
टीकाकरण	कार्ड के आधार पर पूर्ण टीकाकरण (12-23 माह) 83.8% से 87.1%; कार्ड या माँ की याद के आधार पर 76.6% से 82.6%; रोटावायरस टीके की तीन खुराक 36.4% से 85.4%।
परिवार नियोजन	कुल प्रजनन दर 2.0 (NFHS-5 में भी 2.0); किसी भी तरीक़े का उपयोग 66.7% से 69.1%; आधुनिक तरीक़ों का उपयोग 56.4% से 52.7% (फ़ैक्ट शीट)।
पोषण (5 वर्ष से कम)	बौनापन 35.5% से 29.3%; दुबलापन (wasted) 19.3% से 19.0%; गंभीर दुबलापन 7.7% से 5.2%; कम वज़न 32.1% से 31.8%; 6-23 माह के बच्चों को पर्याप्त आहार 10.8% से 15.1% (फ़ैक्ट शीट)।
स्वास्थ्य बीमा	ऐसे परिवार जिनके कोई सदस्य किसी बीमा या वित्त-पोषण योजना में हैं: 41.0% से 60.2%। PIB इसमें आयुष्मान भारत PM-JAY की भूमिका बताता है।
महिलाएँ	इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली महिलाएँ 33.3% से 64.3%; स्वयं उपयोग किया जाने वाला बैंक खाता 78.6% से 89.0%; अधिक वज़न या मोटापे वाली महिलाएँ 24.0% से 30.7% (फ़ैक्ट शीट)।

आँकड़ों को कैसे पढ़ें

कौन-से संकेतक बहुत बदले, कौन-से नहीं: फ़ैक्ट शीट के राष्ट्रीय आँकड़ों में रोटावायरस टीकाकरण (36.4% से 85.4%) और बीमा कवरेज (41.0% से 60.2%) में बड़ा बदलाव है। इसके उलट दुबलापन 19.3% से 19.0% और कम वज़न 32.1% से 31.8% पर लगभग स्थिर हैं। PIB ने इनमें से दुबलापन का कुल आँकड़ा नहीं दिया, केवल गंभीर दुबलापन बताया।

टीकाकरण का आधार: PIB का 83.8% से 87.1% "टीकाकरण कार्ड" पर आधारित है। कार्ड या माँ की याद के आधार पर वही संकेतक 76.6% से 82.6% है। दोनों सही हैं, पर आधार अलग है; तुलना करते समय एक ही आधार लें।

उभरती चुनौती: PIB स्वयं गैर-संचारी रोग और वयस्कों में कुपोषण के साथ बढ़ते अधिक वज़न और मोटापे को "उभरती चुनौती" बताता है। फ़ैक्ट शीट में महिलाओं में अधिक वज़न या मोटापा 24.0% से 30.7% दिखता है।

यह विषय क्यों मायने रखता है

नीति के लिए आधार-रेखा: NFHS का उपयोग POSHAN अभियान, मातृ स्वास्थ्य योजनाओं और SDG की निगरानी में होता है। PIB कार्यक्रमों का नाम लेकर सुधार का श्रेय देता है; सर्वेक्षण स्वयं कारण सिद्ध नहीं करता, यह हमारा पाठ है।

क्षेत्रीय असमानता: फ़ैक्ट शीट में शहरी और ग्रामीण आँकड़े अलग हैं, जैसे संस्थागत प्रसव शहरी 95.2% और ग्रामीण 89.0%, और बौनापन शहरी 23.9% और ग्रामीण 30.9%। राष्ट्रीय औसत इन अंतरों को ढक लेता है। राज्यवार आँकड़े हमने नहीं पढ़े।

बहस के बिंदु और सावधानियाँ

एनीमिया का आँकड़ा: PIB के 4 अगस्त 2026 के राज्यसभा-उत्तर के अनुसार फ़ैक्ट शीट के संकेतक तकनीकी सलाहकार समिति (TAC) की सिफ़ारिश पर "डेटा समरूपीकरण" को ध्यान में रखकर तय हुए और मंत्रालय ने एनीमिया की व्यापकता के लिए ICMR के स्वतंत्र सर्वेक्षण (नस से रक्त लेकर हीमोग्लोबिन जाँच) के आँकड़े अपनाने का निर्णय लिया। यानी NFHS-6 फ़ैक्ट शीट के आधार पर एनीमिया में बदलाव का दावा नहीं किया जा सकता। हमने ICMR सर्वेक्षण के परिणाम नहीं पढ़े; अगस्त 2026 के बाद उनके जारी होने की कोई आधिकारिक सूचना हमें नहीं मिली।

सरकारी विज्ञप्ति का स्वर: PIB विज्ञप्ति उपलब्धि के स्वर में है और केवल कुछ सुधारों को सुर्ख़ी बनाती है। हमने फ़ैक्ट शीट से वे आँकड़े भी जोड़े जो लगभग स्थिर हैं।

स्रोत और सीमाएँ: पढ़े गए स्रोत: PIB विज्ञप्ति (https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2266600&lang=1&reg=48), IIPS-होस्टेड NFHS-6 फ़ैक्ट शीट (https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20(NFHS-6)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf) और PIB, 4 अगस्त 2026 (https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294277&lang=1&reg=3)। पूरी रिपोर्ट, ज़िला-स्तरीय और राज्यवार आँकड़े हमने नहीं पढ़े।

पूर्व लेख से अंतर: pcsmantra.com पर NFHS-6 पर कोई लेख हमें नहीं मिला (खोज: "NFHS", "NFHS-6", "राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण")।

आगे की राह

इस लेख को 29 मई 2026 के फ़ैक्ट शीट और PIB के 4 अगस्त 2026 के स्पष्टीकरण की स्थिति के रूप में पढ़ें। ICMR के एनीमिया-परिणाम और पूरी रिपोर्ट आने पर तस्वीर बदल सकती है।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) फ़ैक्ट शीट के आँकड़े; (2) PIB की सुर्ख़ियों के सापेक्ष प्रतिशत; (3) सरकार का श्रेय-निर्धारण (कौन-सी योजना से सुधार); और (4) हमारी व्याख्याएँ।

मेंस दृष्टि

GS-II: स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े मुद्दे; GS-I/II: महिला और बच्चे; आँकड़ों की व्याख्या। उत्तर में प्रतिशत-अंक और सापेक्ष कमी का फ़र्क़ लिखें।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

NFHS-6 (2023-24) के आधार पर भारत में मातृ-शिशु स्वास्थ्य और पोषण की प्रगति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: NFHS-6 और NFHS-5 से तुलना।

मुख्य भाग में: मातृ-शिशु स्वास्थ्य के सुधार; पोषण के स्थिर संकेतक; बढ़ता अधिक वज़न; एनीमिया का आँकड़ा और डेटा की सीमाएँ।

निष्कर्ष में: मातृ-शिशु स्वास्थ्य के सुधार को पोषण के स्थिर संकेतकों और डेटा की सीमाओं के साथ पढ़ें; प्रतिशत-अंक तथा सापेक्ष कमी अलग रखते हुए सर्वेक्षण के निष्कर्ष को किसी एक योजना का सिद्ध कारणात्मक प्रभाव न मानें।

स्रोत

- PIB, NFHS-6 जारी (29 मई 2026)
- IIPS-होस्टेड NFHS-6 India और State/UT Fact Sheets (मई 2026)
- PIB, NFHS-6 फ़ैक्ट शीट के संकेतक और एनीमिया पर राज्यसभा उत्तर (4 अगस्त 2026)

पूरी रिपोर्ट और राज्यवार आँकड़े नहीं पढ़े गए; ICMR के एनीमिया-सर्वेक्षण के परिणाम नहीं पढ़े गए।

याद रखें: NFHS-6 फ़ैक्ट शीट (29 मई 2026) में संस्थागत प्रसव 90.6%, बौनापन 29.3% और बीमा-कवरेज 60.2% है, पर दुबलापन 19.0% और कम वज़न 31.8% लगभग स्थिर हैं। एनीमिया का आँकड़ा फ़ैक्ट शीट में नहीं है; मंत्रालय ने ICMR के सर्वेक्षण को अपनाने का निर्णय बताया है।